केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयद्वारा सञ्चालितं

संस्कृताध्ययनकेन्द्रम्

Centre for Sanskrit Learning

मार्गदर्शिका
Guidelines

Academic Session
2025 - 2026

Sponsored by

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

Central Sanskrit University

(Established by an Act of Parliament)

Accredited by the NAAC with grade A^{++}

56-57 Institutional Area, D- Block, Janakpuri, New Delhi-110058

प्रकाशक

निदेशक

मुक्तस्वाध्यायपीठम्

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी

नवदेहली- 110058

सम्पादक

डा. रत्नमोहन झा

राष्ट्रिय संयोजक, संस्कृताध्ययनकेन्द्रम्

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

अक्षरसंयोजक

चन्दनसिंह रावत

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली

© केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

सम्पर्क सूत्र / Contact

दूरवाणी संख्या : 011-3501 0261

ईमेल : csucsl@csu.co.in

विषय सूची / Content

	पुरोवाक्	04
1.	संस्कृत-अध्ययन केन्द्रों हेतु दिशा-निर्देश	05-12
2.	अध्येताओं के लिए सूचना	13-14
3.	Guidelines of Centre for Sanskrit Learning	15-21
4.	Information for the Learners	22-23
5.	Photos	24

पुरोवाक्

भारतीय ज्ञान-विज्ञान तथा दर्शन की शास्त्रीय परम्परा को चिरकाल से पुष्ट करने वाली संस्कृत भाषा के अध्ययन हेतु सभी वर्गों के लोगों के द्वारा आकाङ्क्षा प्रकट की जाती रही है। अतएव जन आकाङ्क्षाओं की पूर्ति हेतु भारत शासन के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के तत्त्वावधान में सञ्चालित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा देश के उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिक, आयुर्वेदिक चिकित्सकीय, एवं संगणकीय शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में "**संस्कृत-अध्ययन केन्द्र**" का सञ्चालन किया जा रहा है। इन केन्द्रों में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रकाशित सचित्र पाठ्यसामग्रियों के माध्यम से प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा सरलतम पद्धति से संस्कृत भाषा सिखाई जाती है।

संस्कृत भाषा/शास्त्रों में सन्निहित ज्ञान-विज्ञान के उद्घाटन, भारतीय संस्कृति के अवगमन, तथा राष्ट्रिय एवं उत्कृष्ट मानवीय मूल्यों के समुन्नयन में यह केन्द्र अवश्य ही उपयोगी सिद्ध होगा।

संस्कृत-अध्ययन केन्द्र के सञ्चालनार्थ विशेष प्रयत्न करने वाले सभी संस्था प्रमुखों तथा अधिकारियों का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी
कुलपति

संस्कृत-अध्ययन केन्द्रों हेतु दिशा-निर्देश

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप अत्यंत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत का अध्ययन करना चाहते हैं। उन्हें सरलतम प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की सङ्कल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा **"संस्कृत-अध्ययन केन्द्र"** का आरम्भ किया गया है।

1. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संसद के अधिनियम के द्वारा संस्थापित बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। भारत के विभिन्न राज्यों में इसके अपने 13 परिसर हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजना के अधीन 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों, 04 आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों तथा अनेकों शैक्षिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। अपने स्थापना काल 15 अक्टूबर 1970 से (तत्कालीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) अखिल भारत स्तर पर संस्कृत के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित यह विश्वविद्यालय वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, न्याय, वेदान्त, मीमांसा, पुराणेतिहास, साङ्ख्ययोग, जैनदर्शन तथा बौद्धदर्शन में प्राक्शास्त्री (+2), शास्त्री (B.A.), आचार्य (M.A.) तथा विद्यावारिधि (Ph.D.) के छात्रों को यू.जी.सी. के मानक के अनुसार पारम्परिक शिक्षा प्रदान करता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी कतिपय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन करता है। इसके साथ शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) एवं शिक्षाचार्य (M.Ed.) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं। इन पारम्परिक उपाधि पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय विभिन्न राज्यों में विविध उच्च शैक्षिक संस्थाओं में सञ्चालित संस्कृत-अध्ययन केन्द्रों के द्वारा जनसामान्य को संस्कृत सिखाता है।

2. संस्कृत-अध्ययन केन्द्रों की विशेषता

- सरल एवं सहज पद्धति से संस्कृत भाषा का अध्ययन।
- संस्कृत भाषा में श्रवण, भाषण, पठन तथा लेखन कौशल का विकास।
- संस्कृतमय वातावरण का निर्माण।
- संस्कृत के माध्यम से संस्कृत पढ़ाने का एक रोचक वैज्ञानिक पद्धति का अनुभव।
- संस्कृत भाषा एवं संस्कृत व्याकरण का प्रारम्भिक परिचय।
- संस्कृत में रचित विविध विषयों में प्रवेश हेतु सामान्य योग्यता का अर्जन।
- प्रशिक्षित एवं कुशल शिक्षकों के द्वारा संस्कृत भाषा का अध्यापन।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा प्रकाशित आकर्षक अध्ययन सामग्री।

3. संस्कृत-अध्ययन केन्द्रों के पाठ्यक्रमों के नाम

इन केन्द्रों में दो पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। जिनमें प्रथम पाठ्यक्रम का नाम '**संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः**' है, तथा द्वितीय पाठ्यक्रम का नाम '**संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः**' है।

4. पाठ्यक्रम का स्वरूप

क) ये क्रेडिट आधारित अंशकालिक पाठ्यक्रम हैं।

ख) 2025-26 शैक्षिक सत्र में इनकी अवधि 01 जुलाई, 2025 से 15 मई 2026 तक है।

➢ **पाठ्यक्रम**

❖ **संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः** (8 Credits)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य दैनन्दिन व्यवहारोपयोगी संस्कृत में बोलने, लिखने तथा पढ़ने की प्रारम्भिक क्षमता का विकास करना है। इस पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित '**प्रथमा दीक्षा**' (First Level) निर्धारित है। इसमें पाँच पुस्तकें- वर्णमाला, वाक्यव्यवहारः, वाक्यविस्तरः, सम्भाषणम् तथा परिशिष्टम् हैं। इनका अध्यापन सरल संस्कृत में कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 120 घण्टे का समय अपेक्षित है।

❖ **संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम के प्रतिफल**

- सरल संस्कृत सम्भाषण का अध्ययन एवं अभ्यास।
- दैनन्दिन व्यवहारोपयोगी भाषा में नैपुण्य सम्पादन।

- संस्कृत भाषा का प्रारम्भिक विषयों का अभ्यास एवं प्रयोग।
- संस्कृत शब्दावली का परिचय एवं शब्द भण्डार में वृद्धि।
- सचित्र पाठ्यसामग्री का अभ्यास। (प्रथमदीक्षा)

❖ **संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः** (12 Credits)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य व्यावहारिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण सभी प्रकार के भावों को संस्कृत में अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास करना है। इस पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित '**द्वितीया दीक्षा**' (Second Level) के प्रारम्भिक पाँच स्तबक निर्धारित हैं। इसके अन्तर्गत '**व्यवहारप्रदीपः**' पुस्तक में सङ्कलित संस्कृत के सुभाषित, कहानियों तथा विभिन्न प्रकार के विशिष्ट अभ्यासों के द्वारा संस्कृत के सामान्य व्याकरण की शिक्षा दी जाती है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 180 घण्टे का समय अपेक्षित है।

❖ **संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रम के प्रतिफल (Outcomes)**

- संस्कृत भाषा अध्ययन हेतु आधार भूत विषयों का परिचय।
- संस्कृत भाषा में अधिकार प्राप्ति।
- संस्कृत में व्याकरण का अधिक परिचय।
- श्लोक, कथा, गद्य पाठ सहित रोचक पाठ्यपुस्तक का अध्ययन।
- संस्कृत में रचित विविध ग्रन्थों के अध्ययन की योग्यता प्राप्ति, जैसे श्रीमद्भगवद्गीता, पञ्चतन्त्र इत्यादि।

5. प्रवेशार्हता

'**संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम**' में पन्द्रह वर्ष से अधिक कोई भी संस्कृत का जिज्ञासु प्रवेश ले सकता है। सम्बन्धित संस्था के छात्र, अध्यापक, कर्मचारी, अधिकारी के अतिरिक्त संस्था के बाहर से अन्य जन-सामान्य भी प्रवेश ले सकते हैं।

'**संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रम**' में प्रवेश के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा सञ्चालित 'संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम' में उत्तीर्णता आवश्यक है।

6. प्रवेश प्रक्रिया

समर्थ पोर्टल के माध्यम से अध्येताओं का प्रवेश होगा, एतदर्थ अध्येता को https://csucsl.samarth.edu.in इस लिंक के द्वारा अपना पंजीकरण करने के पश्चात् पाठ्यक्रम का चयन तथा आन-लाईन के माध्यम से रु. 1200/- जमा करना होगा।

नामांकन के सोपान-

प्रथम : नाम, ईमेल, दूरवाणीसंख्या सहित सामान्य पञ्जीकरण के पश्चात् लग इन करना।

द्वितीय : छात्रों का पूर्ण विवरण भरना।

तृतीय : केन्द्र एवं पाठ्यक्रम का चयन करना।

चतुर्थ : दस्तावेज अपलोडिंग करना।

पञ्चम : आवेनदपत्र का समर्पण तथा शुल्क प्रदान करना।

7. शुल्क

नामांकन शुल्क	**रु. 200/-**	प्रवेश के समय कुल **रु. 1200/-** जमा करना होगा
पाठ्यसामग्री शुल्क	**रु. 500/-**	
शिक्षण शुल्क	**रु. 500/-**	
परीक्षा शुल्क	**रु. 300/-**	परीक्षा से पहले **रु. 300/-** जमा करना होगा
कुल	**रु. 1500/-**	

8. छात्र संख्या

प्रत्येक पाठ्यक्रम के प्रत्येक वर्ग (Batch) में न्यूनातिन्यून 50 अध्येताओं को प्रशिक्षित किया जाना अभीष्ट है। एक संस्था/केन्द्र में एक से अधिक वर्ग चलाए जा सकते हैं।

9. अध्यापन का स्थान

संस्था/केन्द्र के सुविधानुसार परिसर या निकटवर्ती किसी दूसरे स्थान में भी अध्यापन स्थान निश्चित किया जा सकता है।

10. परीक्षा

- पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद मई, 2026 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा आनलाईन के माध्यम से परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा अंक-पत्र तथा प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।
- परीक्षा में अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित अध्येता अग्रिम शैक्षिक सत्र (2026-27) में वार्षिक परीक्षा शुल्क देकर परीक्षा आवेदन पत्र आनलाइन के माध्यम से भर सकता है।
- संस्कृत-अध्ययन केन्द्र के अध्येताओं को परीक्षा में उत्तीर्णता हेतु नामांकन वर्ष से अधिकतम दो वर्षों तक परीक्षा में प्रवेश हेतु अवसर दिया जाएगा। (यथा- 2025-2026 शैक्षिक सत्र में नामांकित अध्येता 2026 अथवा 2027 की वार्षिक परीक्षा में ही भाग ले सकेंगे)।

11. अध्ययन केन्द्र में अपेक्षित सुविधाएँ

- 50 अध्येताओं के बैठने की व्यवस्था।
- अध्यापन हेतु संसाधनों की व्यवस्था, यथा कुर्सी, मेज, दृश्य-श्रव्य साधन, श्यामपट्ट, विद्युत् इत्यादि।
- सभी अध्येताओं के गमनागमन की दृष्टि से अनुकूल स्थान।
- अध्ययन-अध्यापन हेतु उपयुक्त वातावरण।
- कक्षाओं के संचालन हेतु शिक्षक की सहायता।

12. संस्था के कर्त्तव्य

- संस्कृत शिक्षक के बैठने की व्यवस्था।
- कक्षाओं के सञ्चालन हेतु समुचित स्थान तथा संसाधन का प्रबन्ध।
- केन्द्र के प्रचार-प्रसार तथा अध्येताओं को आकृष्ट करने में सहयोग।
- अध्येताओं को केन्द्र के विषय में अपेक्षित सूचनाएँ देना।
- शिक्षक के सहयोग से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के साथ आवश्यक पत्राचार।
- पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पश्चात् भी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को केन्द्र से सम्बद्ध अपेक्षित सूचनाएँ उपलब्ध कराना।

- संस्कृत-अध्ययन केन्द्र के सुचारु संचालन हेतु किसी एक व्यक्ति को नामित करना जो इस सन्दर्भ में केन्द्राधिकारी (Authorized Officer) होगा। किसी कारणवश केन्द्राधिकारी परिवर्तित होने पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को सूचित करना होगा।
- केन्द्र से सम्बद्ध वस्तुओं के संरक्षण तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित पाठ्यसामग्रियों तथा प्रमाणपत्र वितरण की व्यवस्था।
- संस्कृत-अध्ययन केन्द्र संचालन हेतु केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के साथ MoU करना। केन्द्र की समाप्ति के साथ ही MoU की समयसीमा समाप्त हो जाएगी। MoU का प्रारूप संलग्न।

13. केन्द्राधिकारी के कर्त्तव्य

- सभी के सहयोग से विभिन्न प्रचार माध्यमों से केन्द्र के प्रचार-प्रसार की व्यवस्था।
- विभिन्न आयुवर्ग (15 वर्ष या अधिक) के तथा विविध व्यवसाय के अध्येताओं को संस्कृत के अध्ययन हेतु आकृष्ट करना।
- विश्वविद्यालय/शिक्षक के सूचनानुसार केन्द्र के उद्घाटन, सञ्चालन, परीक्षा, प्रमाणपत्र वितरण एवं अन्य कार्यक्रमों हेतु व्यवस्था।
- यथासमय केन्द्र की गतिविधियों से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को अवगत कराना।
- शिक्षक के द्वारा पूर्व माह में किए गये कार्यों का प्रगति विवरण सम्बद्ध प्रपत्र में भरकर ईमेल (**csucsl@csu.co.in**) के माध्यम से प्रत्येक महीने की दिनांक 21 से 30 के मध्य कार्यालय में प्रेषित करना, जिससे शिक्षक को समय पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा पारिश्रमिक दिया जा सकेगा।

14. शिक्षक के कर्तव्य

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा सूचित संस्था में पूर्ण निष्ठा से संस्कृत-अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- संस्थाप्रमुख/केन्द्राधिकारी के मार्गदर्शन से प्रवेश प्रक्रिया में सहायता।
- केन्द्र सञ्चालन के साथ-साथ संस्था में/संस्था से बाहर अन्य संस्था में/समाज में प्रतिमाह एक संस्कृत सम्भाषण वर्ग का सञ्चालन।
- केन्द्र सञ्चालन के साथ साथ संस्था में/संस्था से बाहर अन्य संस्था में/समाज में संस्कृत बाल वर्ग का सञ्चालन।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कार्यालय द्वारा प्रेषित सूचना का क्रियान्वयन।

- आवश्यकतानुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भागग्रहण।
- संस्कृत-अध्ययन केन्द्र में अध्ययनरत अध्येताओं का परिणामदायक अध्यापन।
- कक्षा में प्रभावी अध्यापन हेतु विविध कौशलों का आलम्बन।
- कक्षा में अध्येताओं की उपस्थिति हेतु विशेष प्रयत्न।
- संस्कृतमय वातावरण का निर्माण।
- केन्द्र में विविध संस्कृत कार्यक्रमों का आयोजन।
- विश्वविद्यालय को केन्द्र में आयोजित विविध कार्यक्रमों का सचित्र विवरण प्रेषण।

15. अन्य अवधेयांश

- केन्द्र में अध्यापन हेतु समय सारिणी का निर्धारण अध्येताओं की सुविधानुसार किया जा सकता है।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा तथा द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाएगी।
- यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित संस्कृत/योग/आयुर्वेद/विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा। संस्कृत-अध्ययन केन्द्र में अध्ययन करने के बाद अध्येता 'मुक्तस्वाध्यायपीठम्' (Institute of Open and Distance Education) के द्वारा संचालित विविध संस्कृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है।
- सामान्यतः एक शैक्षिक सत्र के लिए तात्कालिक रूप से संस्था-विशेष में या स्थान-विशेष में संस्कृत-अध्ययन केन्द्र खोलने की स्वीकृति दी जाती है। किसी भी संस्था को या स्थान को संस्कृत-अध्ययन केन्द्र के स्थायी केन्द्र के रूप में परिगणित नहीं किया जाएगा।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का संस्कृत-अध्ययन केन्द्र खोलना, अगले सत्रों में केन्द्र का अनुवर्तन करना/न करना, केन्द्र को निरस्त करना इत्यादि विषयों में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली का निर्णय अन्तिम होगा।
- शिक्षक को अपेक्षानुसार एक महीने में एक आकस्मिक अवकाश दिया जा सकता है। अवकाश हेतु केन्द्राधिकारी के माध्यम से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को पूर्व सूचना मेल के माध्यम से देनी होगी।

- प्रत्येक शिक्षक एक से अधिक केन्द्रों/संस्थाओं में अध्येताओं की उपलब्धता के अनुसार दो या तीन कक्षाओं में अध्यापन करेगा।
- संस्कृत-अध्ययन केन्द्र से सम्बन्धित किसी भी विषय में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति का निर्णय सर्वोपरि होगा।

16. केन्द्र का प्रचार

- वैयक्तिक सम्पर्क के द्वारा, समाचारपत्रों में विज्ञापन या प्रेस नोट के द्वारा, स्थानीय केबल के माध्यम से, आकाशवाणी से, बैनर के द्वारा, विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों या अन्य सार्वजनिक स्थलों में लिखित सूचनाओं के द्वारा, सोशल मीडिया के द्वारा अथवा इतर माध्यमों से संस्कृत-अध्ययन केन्द्र का प्रचार-प्रसार किया जा सकता है।
- विशिष्ट व्यक्तियों को आमन्त्रित कर केन्द्र की गतिविधियों से परिचय करा सकते हैं।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की गतिविधियों को जानने हेतु www.sanskrit.nic.in का अवलोकन किया जा सकता है।

17. राष्ट्रिय संयोजक

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारत स्तर पर सञ्चालित संस्कृत-अध्ययन केन्द्रों से सम्बद्ध समस्त कार्यों का संयोजन राष्ट्रिय संयोजक के द्वारा किया जाता है। इस निमित्त सभी पत्राचार **"राष्ट्रिय संयोजक, संस्कृत-अध्ययन केन्द्र, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, 56-57 इन्स्टीट्यूशनल् एरिया, जनकपुरी, नवदेहली- 110058" (E-mail- csucsl@csu.co.in)** पर किया जा सकता है।

††††††

अध्येताओं के लिए सूचना

- **संस्कृत-अध्ययन केन्द्र**
  - संस्कृत भाषा वैज्ञानिकी भाषा है। संस्कृत वाङ्मय में कृषि, कला, साहित्य, विज्ञान, दर्शन, प्रबन्धन, तकनीक, आयुर्वेद, विधि आदि का मौलिक ज्ञान निहित है।
  - संस्कृत-अध्ययन केन्द्र के द्वारा सरलता से संस्कृत के विविध वाङ्मय में प्रवेश कर सकते हैं।
- **लक्ष्य**
  - संस्कृत के अध्ययन का शुभारम्भ।
  - संस्कृत में निहित विज्ञान एवं साहित्य का परिचय प्राप्त करना।
  - विश्व में वैज्ञानिक भाषा के रूप में प्रख्यात संस्कृत का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना।
- **शिक्षणविधि**
  - प्रत्यक्ष (Communicative) पद्धति।
- **पाठ्यक्रम की अवधि**
  - 2025-26 शैक्षिक सत्र में 01 जुलाई, 2025 से 15 मई, 2026 तक।
- **प्रवेशार्हता**
  - पन्द्रह वर्ष से अधिक कोई भी संस्कृत का जिज्ञासु '**संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम**' में प्रवेश ले सकता है।
  - '**संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रम**' में प्रवेश हेतु '**संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम**' में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
- **पाठ्यक्रम का स्वरूप**
  - ये क्रेडिट आधारित अंशकालिक पाठ्यक्रम हैं।
- **पाठ्यक्रमों के नाम एवं क्रेडिट्स**
  - संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः (8 Credits)
  - संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः (12 Credits)

- **प्रवेश शुल्क**
    - रु. 1200/- (रू. बारह सौ) प्रति पाठ्यक्रम।
- **परीक्षा शुल्क**
    - रु. 300/- (रू. तीन सौ)
- **आवेदन कैसे करें**
    - अध्येता समर्थ पोर्टल के माध्यम से आपना विवरण भर कर नामांकन करे। उसके बाद पाठ्यक्रम का चनय कर शुल्क देकर प्रवेश ले।
- **प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल लिंक**
    - https://csucsl.samarth.edu.in
- **पाठ्यसामग्री**
    - केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा एवं द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाएगी।
- **कक्षा का समय**
    - अध्येताओं की सुविधानुसार संस्था के द्वारा कक्षा की समय सारिणी निर्धारित की जाएगी।
- **परीक्षा**
    - पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद मई, 2026 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा आनलाईन के माध्यम से परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा अंक-पत्र तथा प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। यह पाठ्यक्रम केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित संस्कृत/योग/आयुर्वेद/विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा।

††††††

Guidelines
Centre for Sanskrit Learning

Sanskrit language is the unparalleled treasure of Indian wisdom and culture. The resources preserved in this language are vast and manifold. A large number of Indians desire to learn Sanskrit in order to preserve and project original Indianness. It is essential to fulfil their desire by providing the knowledge of Sanskrit language through the simplest possible method and to make them aware of the knowledge well treasured in Sanskrit. Central Sanskrit University has introduced the Centre for Sanskrit Learning in order to execute these ideal and essential objectives by providing the opportunity and facility to those who are desirous to learn Sanskrit.

1. Central Sanskrit University

Central Sanskrit University, established by an Act of Parliament is a dual-mode multi-campus Sanskrit University. It has 13 constituent campuses in various states. Moreover, Central Sanskrit University provides financial assistance to 22 Adarsh Sanskrit Mahavidyalayas, 04 Adarsh Sanskrit Shodha Sansthans and many educational institutions under the scheme of Ministry of Human Resource Development, Govt. of India. Since its inception on 15th October, 1970, Central Sanskrit University (former Rashtriya Sanskrit Sansthan) is devoted to the overall development of Sanskrit at all India level by imparting education to the students of Prakshastri (+2), Shastri (B.A.), Acharya (M.A.) and Vidyavardhi (Ph.D.) in Veda, Vyakarana, Sahitya, Jyotisha, Dharmashastra, Nyaya, Vedanta, Mimamsa, Puranetihasa, Sankhya-Yoga, Jain Darshan and Bauddha Darshan traditional stream by maintaining UGC standards. It also conducts 45 various online programmes through Distance Education.

Additionally, Central Sanskrit University undertakes training courses in Shiksha Shastri (B.Ed.) and Shiksha Acharya (M.Ed.). Apart from these traditional degree courses, Central Sanskrit University undertakes Sanskrit learning programmes to the public at large scale through Centre for Sanskrit Learning functioning in different states across the country.

2. The unique features of the Centre for Sanskrit Learning

- Sanskrit learning in a simple and effective way.
- Development in Listening, Speaking, Reading and Writing skills in Sanskrit.
- An atmosphere charged with Sanskrit.
- Teaching Sanskrit through Sanskrit medium in a scientific and engaging approach.
- Introduction to the basic knowledge about Sanskrit language and grammar.
- Acquisition of basic eligibility to explore various topics written in Sanskrit.
- Teaching of Sanskrit language by well trained and skilled teachers.
- Attractive study materials published by Central Sanskrit University.

3. Name of Courses in Centre for Sanskrit Learning

There will be two courses in these centres. **First** is called "**Certificate Course in Sanskrit Language**" and **Second** is "**Diploma in Sanskrit Language**."

4. Nature of Courses

a) It is a credit based part-time course.

b) The duration of the course will be from 01st July, 2025 to 15th May, 2026 for the academic session 2025-26.

- **Courses**
  - **Certificate Course in Sanskrit Language** (8 Credits)

    Its objective is to develop the elementary skills of speaking, writing and reading day to day practical Sanskrit. Prathama Diksha (First Level) published by Central Sanskrit University will be taught in this Course. Under this, five books i.e., Varnamala (वर्णमाला) Vakya-vyavaharah (वाक्यव्यवहारः), Vakyavistarah (वाक्यविस्तरः) Sambhashanam (सम्भाषणम्) and Parishishtam (परिशिष्टम्) are included. These five books will be taught in simple Sanskrit. A minimum period of 120 hours is required to complete the course.
  - **The outcomes of the Certificate Course in Sanskrit Language**
    - Study and practice of simple Sanskrit conversation.
    - Proficiency in day-to-day Sanskrit conversation.
    - Introduction to the basic structure of Sanskrit language.
    - Familiarity with Sanskrit vocabulary and gradual build-up of new words in Sanskrit.
    - Provision of pictorial study materials. (Prathama Deeksha)

❖ **Diploma in Sanskrit Language** (12 Credits)

It aims at developing the skill of expressing in Sanskrit all those ideas which are important from practical point of view. First 5 Levels of Dvitiya Diksha (Second Level) published by Central Sanskrit University will be taught in this course. Sanskrit subhashitas, stories, different types of special exercises, simple Sanskrit grammar compiled in Vyavahara-pradeepah (व्यवहारप्रदीपः) will also be taught in this course. A minimum period of 180 hours is required for this course.

❖ **The outcomes of Diploma in Sanskrit Language**

- An introduction to the overall foundational structure for study of Sanskrit language.
- Gain mastery in using Sanskrit language.
- An introduction to advanced Sanskrit grammar.
- Engaging learning materials with shlokas, stories, essays, etc.
- Efficiency in self-study of Sanskrit granthas like Shreemad-bhagavadgeeta, Hitopadesha, Panchatantra, etc.

4. Eligibility for Admission

Anyone, above the age of fifteen, who is curious to learn Sanskrit is eligible to take admission in "**Certificate Course in Sanskrit Language**". The admission is open for all the students, teachers, employees and officers of the concerned institution and also family members and general public.

Only those who have passed the **First** Course i.e. "**Certificate Course in Sanskrit Language**" conducted by Central Sanskrit University will be eligible to take admission in the **Second** Course "**Diploma in Sanskrit Language**".

5. Admission process

The admission process will be done through Samarth portal. For this, learners have to register through this link https://csucsl.samarth.edu.in, after which they have to select the intended course and pay the fees of Rs. 1200/- through online portal.

Steps

First : Log in after completing the general registration with your name, email address, and phone number.

Second : Provide complete student details in the designated form.

Third : Select your preferred Centre and Course.

Fourth : Upload the required documents.

Fifth : Submit the application form and proceed with the fee payment.

6. Fees

<table>
<tr><td>Admission Fees</td><td>Rs. 200/-</td><td rowspan="3">Total amount payable at the time of admission Rs. 1200/- to be deposited.</td></tr>
<tr><td>Study Material Fees</td><td>Rs. 500/-</td></tr>
<tr><td>Teaching Fees</td><td>Rs. 500/-</td></tr>
<tr><td>Examination Fees</td><td>Rs. 300/-</td><td>Before the exam Rs. 300/- to be deposited</td></tr>
<tr><td>Total</td><td colspan="2">Rs. 1500/-</td></tr>
</table>

7. Number of Learners

Ideal number of learners in each batch may be 50. More than one batch may be conducted in one Institution/Centre.

8. Place of Study

The place of study may be within the campus of the Institution/Centre at any nearby place according to the convenience of learner.

9. Examination

- In the session 2025-26 the examination will be conducted by Central Sanskrit University, New Delhi on May, 2026 through online mode. The marksheet and certificates will be distributed to the successful learners.
- Learners who are unsuccessful or absent in the examination may deposit the examination form along with the examination fee to appear in the next year's (2026-27) Annual Examination through online mode.
- The learners of the Centre for Sanskrit Learning will be given two chances to pass the examination in two consecutive years only, starting from the Academic year of enrolment, for example, the learner enrolled in the academic year 2025-26 will be entitled to appear in the Annual Examinations in 2025 or 2026 only.

10. Required facilities at study centre

- Sitting facility for 50 learners.
- Arrangement of materials for teaching such as chairs, tables, white-board/ black-board, audio-visual, electricity etc.
- The place should be within easy reach of all the learners.
- It should have a suitable atmosphere for teaching and learning.
- Teacher's assistance in conducting classes.

11. Duties of the Institution

- Providing sitting facility to the Teacher in the Centre.
- Providing sufficient place and facilities for conducting the classes.
- Helping in advertising the course and the Centre among the people and extend its help to assemble the learners. Co-operation in propagation of the Study Centre and engaging the learners.
- Providing required information to the learners about the Centre.
- Necessary correspondence with Central Sanskrit University, New Delhi in association with the Teacher.
- Providing desirable information related to the Centre to Central Sanskrit University after completion of the course.
- Nominating a person as an Authorised Officer for smooth functioning of Centre for Sanskrit Learning. In case of replacement of Authorised Officer due to some reasons, to inform regarding the same to Central Sanskrit University.
- Arrangement for preservation of materials concerning the Centre and distribution of reading materials supplied by Central Sanskrit University.
- Assistance in signing the MoU between Central Sanskrit University and the Centre by the highest official of the Centre. Draft of the MoU is attached.
- In case of closure of the Centre due to some reasons, the MOU shall automatically be terminated.

12. Duties of Authorised Officer

- Arrangement for publicity of the Centre through different media with the co-operation of all members.
- Engaging learners of different age groups (above fifteen years) and various professions for learning Sanskrit.
- Arrangement for the inauguration of the Centre, its functioning, conducting examination, distribution of certificates and other activities in consultation with the Teacher.
- Informing the Central Sanskrit University, New Delhi about the activities of the Centre from time to time.
- Sending the progress details of the work accomplished by the teacher in the previous month through email **(csucsl@csu.co.in)** to the Centre for Sanskrit Learning office between 21st to 30th of every month, so that the teacher gets remuneration from Central Sanskrit University on time.

13. Duties of the Teacher

- To manage the study centre with dedication in the institution notified by Central Sanskrit University.
- To assist in admission process under the guidance of the centre head/centre officer.
- Along with management of the centre, to conduct one Sanskrit conversation class every month in the institution/in another separate institution/in society.
- Along with management of the centre, to conduct Sanskrit Bal Varg in the institution/in another separate institution/in society.
- Implementation of information as directed by the office of Central Sanskrit University.
- Participation in the programmes organised by Central Sanskrit University as per requirement.
- To provide outcome-oriented teaching to the students studying in the study centre.
- Relying on various skills for effective teaching in the class.
- Special efforts for maintaing the attendance of students in the class.
- Formation / Creation of Sanskrit environment.
- Organizing various Sanskrit programmes in the center.
- Sending illustrated details of various programmes organized in the center to the University.

14. Other notable matters

- Timetable of teaching at the Centre may be decided as per the convenience of the students.
- Study material (Prathama Deeksha and Dvitiya Diksha) will be provided by Central Sanskrit University, New Delhi.
- This Course will provide basic knowledge for higher studies in Sanskrit/Yoga/Ayurveda/various Distance Education Programmes of Central Sanskrit University. After successfully completing the **"Certificate Course in Sanskrit language"** and **"Diploma in Sanskrit Language"**, the student will be eligible to take admission in various Sanskrit Courses which are run by 'Mukta-Swadhyaya-Peetham' (Institute of Open and Distance Education).
- Normally, the Centre for Sanskrit Learning is permitted to one academic session in any institution or at any place for the time being. No institution or intended place will be treated as a permanent Centre of Centre for Sanskrit Learning.

- The decision of Central Sanskrit University will be final in the matters regarding opening of Centre for Sanskrit Learning, its continuation/ discontinuation or cancellation of the Centre.
- One casual leave in a month will be permissible to the Teacher as per requirement.
- The Central Sanskrit University shall be notified about the casual leave through e-mail by the Authorised Officer of the Centre. Each teacher will teach in two or three classes according to the availability of scholars in more than one Centre/institution.
- In any matter concerning the Centre for Sanskrit Learning, the decision of the Vice-Chancellor, Central Sanskrit University, New Delhi will be final.

14. Publicity of the Centre

- Centre for Sanskrit Learning may be brought to light through personal contacts, local cable, Akashvani (radio), banners, information in writing in Schools, Colleges, Universities, other public places or social media or through other modes.
- Distinguished personalities may be invited to introduce the activities of the Centre.
- For information of activities of Central Sanskrit University, New Delhi, its website **www.sanskrit.nic.in** may be consulted.

15. National Co-ordinator

All kinds of activities related to the Centre for Sanskrit Learning all over India are co-ordinated by the National Co-ordinator. All correspondence regarding this may be done at the address – **'National Co-ordinator, Centre for Sanskrit Learning, Mukta Swadhyaya Peetham Central, Sanskrit University, 56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi 110058** (Email id**- csucsl@csu.co.in**).

††††††

Information for the Learners

- **Centre for Sanskrit Learning**
  - Sanskrit is a scientific language. There are so many treatises related to Agriculture, Arts, Literature, Science, Philosophy, Management, Technology, Ayurveda, Law etc. well preserved in Sanskrit.
  - One can access the scientific knowledge inherited in Sanskrit literature by learning the language through direct communicative method at Centre for Sanskrit Learning.
- **Aim**
  - To initiate Sanskrit learning.
  - To introduce the science and literature in Sanskrit language.
  - To get a working knowledge in illustrious Sanskrit, the scientific language of the world.
- **Method of Teaching**
  - Communicative method.
- **Duration of** the **Course**
  - From 01st July 2025 to 15th May 2026 in the academic session 2025-26.
- **Eligibility for Admission**
  - Anyone, above fifteen years of age, who is curious about Sanskrit is eligible to take admission in ‘Certificate Course in Sanskrit Language’.
  - Those who have passed the First Course "Certificate Course in Sanskrit Language" conducted by Central Sanskrit University shall be eligible for admission in the Second Course naming "Diploma in Sanskrit Language".
- **Nature of Course**
  - It is a credit based Part-time course

- **Name of Courses and credits**
  - "Certificate Course in Sanskrit Language" (8 Credits)
  - "Diploma in Sanskrit Language" (12 Credits)
- **Enrolment Fees**
  - Rs. 1200/- (Twelve hundred rupees only) for each Course.
- **Examination Fees**
  - Rs. 300/- (Three hundred rupees only)
- **How To Apply**
  - Enroll by filling your details through Samarth Portal. After that choose the intended course and take admission by paying the fee.
- **Study Material**
  - Study material will be provided by Central Sanskrit University. This will include First and Second Level (प्रथमा दीक्षा एवं द्वितीया दीक्षा) books.
- **Time of Classes**
  - The time table for classes will be decided by the Institution as per the convenience of the learners.
- **Examination**
  - In the session 2025-26 the examination will be conducted by Central Sanskrit University, New Delhi on May, 2026 through online mode. The marksheet and certificates will be distributed to the successful learners. This course will provide basic knowledge for higher studies in Sanskrit/Yoga/Ayurveda/various Distance Education programmes of Central Sanskrit University.

††††††

Meet some learners of CSL from various prestigious institutions.

NIT Surathkal, Karnataka

IIT Guwahati

IIT Indore

Ashtamgam Ayurveda Chikitsalayam &Vidyapeedham, Palakkad

IIT Kanpur, UP

Vidyasagar University, Medinipur, WB

Vidya Prabodhini College of Commerce, Goa

IIIT Allahabad

Sidho Kanho Birsha University, Purulia, WB

Amrita Vishwa Vidyapeetham, Kollam, Kerala

Prabhat Kumar College, Purba Medinipur, WB

Dhenkanal Mahila Mahavidyalaya, Odisha

IIIT Manipur

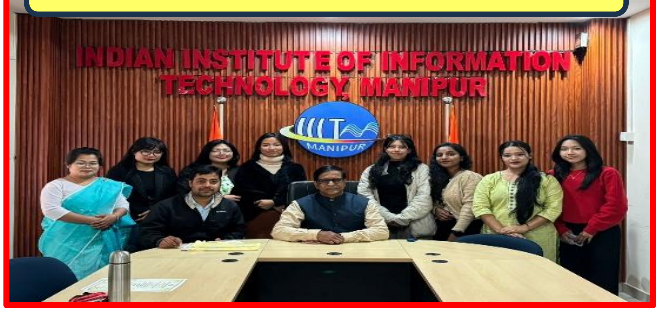

Cooch Behar College, WB

IIT Bombay

JNU, New Delhi

సంస్కృత అధ్యయన కేంద్రం

विश्वस्य वृत्तान्तः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन संचालितस्य संस्कृताध्ययनकेन्द्रस्य परतया पुस्तकवितरण कार्यक्रमः

अपने

एमआईटी में संस्कृत भाषा पर कार्यशाला

संस्कृतभाषां यान्त्रिकशिक्षणेन सह संयोजयितुं नूतनः उपायः- प्राचार्यः

संस्कृताध्ययनकेन्द्रम् अगरतलायां एकदिवसीय बौद्धिक-कार्यक्रमः सम्पन्नः

दशदिवसीयसंस्कृतसम्भाषणशिबिरस्य समुद्घाटनं सञ्जातम्

पराक्रमदिवसस्य सफलः कार्यक्रमः

ભારતીય ભાષાઓમાં સંસ્કૃત માતૃભાષા...

शिक्षकाः

First Convocation, CSU, 2024

Residential Teachers Training Camp, Bangalore, 2024